लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 99

18 जुलाई, 2016 को उत्तर के लिए

इस्पात क्षेत्र का संवर्धन

99. श्रीमती पूनमबेन माडम:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वैश्विक इस्पात उत्पादन में भारत का क्या रैंक है और वर्तमान में देश में कच्चे इस्पात की अनुमानित उत्पादन क्षमता कितनी है;

(ख) क्या देश में नए क्षमता/न्यूनतम कुशल पैमाने के संयंत्र विकसित हो रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार ने भारतीय इस्पात उद्योग को वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक बनाने हेतु कोई नीति बनाई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और गत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान इस प्रयोजनार्थ कितनी धनराशि आबंटित की है?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह)**

(क): विश्व इस्पात संघ द्वारा संकलित आंकडों के अनुसार भारत वर्तमान में क्रूड इस्पात का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। 31 मार्च 2016 की स्थितिनुसार भारत की क्रूड इस्पात की उत्पादन क्षमता 118.20 मिलियन टन (अनंतिम) है।

(ख): इस्पात एक नियंत्रण मुक्त क्षेत्र होने के नाते प्रक्रिया रूट/ प्रोद्योगिकी , उत्पाद मिश्रण इत्यादि के आधार पर उद्योग विभिन्न आकारो के इस्पात संयंत्र स्थापित करने के लिए स्वतंत्र है। विगत वर्ष में देश में क्रूड इस्पात की 8.35 मिलियन टन नई क्षमता सृजित हुई है।

(ग): चूंकि इस्पात एक नियंत्रण मुक्त क्षेत्र है, इसलिये निवेश संबंधी निर्णय वाणिज्यिक सोच विचार और बाजार गतिशीलता समेत विभिन्न घटकों पर आधारित होते है तथा सरकार की भूमिका एक सुविधादाता मात्र के रूप में होती है। सरकार अपनी इस भूमिका में घरेलू उद्योगों के विकास को प्रोत्साहित करने और इन्हें वैश्विक दृष्टि से प्रतिस्पर्धात्मक बनाने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने हेतु नीतिगत दिशानिर्देश तय करती है और संस्थानिक तंत्र/ढांचा स्थापित करती है। सरकार ने इस संबंध में राष्ट्रीय इस्पात नीति 2005 जारी की है जिसके अंर्तगत भारतीय इस्पात उद्योग के विकास को प्रोत्साहित करने हेतु व्यापक रोडमैप तैयार किया गया है।

***